वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष : 2017–18

प्रस्तुतकर्ता

सहयोगी मित्र मंडल
ग्राम व पोस्ट – थनौद, जिला – दुर्ग
(छत्तीसगढ़)

स्वांस्थ्य एवं परिवार कल्याण शिविर –

वर्ष 2017–18 में सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दुर्ग के ग्राम–अंजोरा में दिनांक 20.05.2017 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छ.ग. शासन की स्वास्थ्य योजनाओं, संजीवनी योजना, बाल सुरक्षा योजना, 108 संजीवनी एंबुलेंस, संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना, एकल बालिका शिक्षा योजना आदि के बारे में विस्तारपूर्ण बताया गया। यह बताया गया कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए संस्थागत प्रसव अस्पताल में योग्य डाक्टर व योग्य नर्सो द्वारा कराया जाता है, इसलिए सुरक्षित प्रसव होते हैं। शासन द्वारा जननी योजना सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसकी जानकारी गर्भवती महिलाओं व वहां उपस्थित सभी लोगों को दिया गया । कार्यक्रम में ग्राम के लगभग 730 नागरिक महिलाओं एवं गर्भवती महिलायें उपस्थित थे।

वयस्क शिक्षा मार्गदर्शन शिविर –

सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दिनांक 06.06.3017 को विकास खण्ड दुर्ग के ग्राम महमरा में वयस्क शिक्षा कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय किशोर युवक–युवतियों का मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के स्वयंसेवकों को यौन स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 208 स्वयंसेवकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

कृषक जागरूकता शिविर –

संस्था द्वारा विकास खण्ड दुर्ग के कृषकों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए ग्राम थनौद में एक दिवसीय कृषक जागरूकता एवं परामर्श शिविर का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग दुर्ग के सहयोग से किया गया । शिविर में क्षेत्र के 150 से अधिक कृषकों ने उन्नत कृषि के संदर्भ में उपस्थित विषय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

खेल एवं युवा विकास शिविर –

संस्था द्वारा जिले में खेलों के विकास हेतु नवदोदित युवा खिलाड़ियों को प्रेरित व प्रोत्साहित करने के लिए खेल ग्राम पुरई में विविध खेलकूद व युवा विकास शिविर का आयोजन दिनांक 08.09.2017 को किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के विविध खेलों में 300 से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया।

जिला स्तरीय लोक सांस्कृतिक महोत्सव –

संस्था द्वारा कला एवं संस्कृति को महत्ता देते हुए संस्था द्वारा उदीयमान कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्येय से जिला स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है । इसी कड़ी में स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस 12.01.2018 को युवा दिवस पर ग्राम मचांदुर में पांच सौ युवा कलाकारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया । इस कार्यकम के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को मजबूती प्रदान करने का प्रयास किया गया ।

महिला जागरूकता शिविर –

संस्था द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्राम थनौद विकास खण्ड दुर्ग में एक दिवसीय महिला जागरूकता शिविर का आयोजन दि. 08.03.2018 को किया गया इस कार्यक्रमें महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में प्रवृत्त करने हेतु विभागीय योजनाओं से जुड़ने का आव्हान किया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में संस्था द्वारा प्रशिक्षित एवं प्रेरित महिलाऐं विविध रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम प्रारंभ की है जिससे उनका आजीविका में वृद्धि हुई है और अन्यों की प्रेरणाश्रोत हैं ।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम

जल एवं स्वच्छता –

संस्था द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम बोरई में जल एवं स्वच्छता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 14.04.2017 को किया गया जिसमें जल के संरक्षण एवं संवर्धन पर संस्था से जुड़े हुए 50 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा जल के संरक्षण , संवर्धन एवं स्वच्छता बनाये रखने के लिए ग्रामीणों की भागीदारी के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी दी गई।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन –

संस्था द्वारा सुदूर आदिवासी विकास खण्ड डौंडी में एक दिवसीय राष्ट्रीय संसाधन प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 26.06.2017 को किया गया जिसमें संस्था के 50 स्वयं सेवकों ने भागीदारी दी । विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वयं सेवकों को प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

ग्राम सभा सशक्तिकरण –

संस्था द्वारा पंचायत राज के तहत एक दिवसीय ग्राम सभा सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास खण्ड जिला दुर्ग के ग्राम नगपुरा में दिनांक 20.08.2017 को आहुत किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा संविधान के 73 वें संशोधन में पंचायत राज के त्रीस्तरीय व्यवस्था में ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों को पंचायत राज अधिनियम, नियम, अधिकार एवं कर्तव्य, कार्यक्षेत्र एवं कार्यपद्वति एवं सूचना का अधिकार, विकेन्द्रीकरण योजना, सामाजिक अंकेक्षण, स्थानीय स्वशासन, स्थानीय स्तर पर सामाजिक न्याय एवं आर्थिक विकास के कार्यो का प्रशिक्षण प्रदान कर उनमें क्षमता वृद्धि का विकास किया गया। इस प्रशिक्षण में 50 स्वयं सेवकों को प्रशिक्षित किया गया ।

आपदा प्रबंधन कार्यक्रम –

संस्था द्वारा जिला दुर्ग के शिवनाथ नदी के तट पर स्थित ग्राम महमरा में दिनांक 15.10.2017 को एक दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्येश्य महमरा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में होने वाले आपदा से निजात पाने की रणनीति एवं आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना बनाना था । नदी किनारे बाढ़ सहित विभिन्न आपदा के प्रति लोगों को सचेत व जागरूक करने के लिए उपस्थित विषय विशेषज्ञों ने क्षेत्र के निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों स्वयंसेवकों शासकीय अमलों को आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदानकिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया ।

ग्राम पंचायत विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) –

पंचायत राज व्यवस्था में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियानवयन ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता है। शासन के विभिन्न विभागों द्वारा भी आम जनता की बेहतरी के लिए विभिन्न योजनाऐ संचालित की जाती हैं। इन क्रियात्मक समूहों में संवाद बेहतर हो सके तथा समन्वय के साथ योजनाओं के सकारात्मक क्रियान्वयन हो सके इस हेतु सरकार द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना प्रारंभ की गई है । संस्था द्वारा इस योजना में सयोग प्रदान करने हेतु योजना के प्रचार प्रसार हेतु एक दिवसीय ग्राम पंचायत विकास योजना पर प्रशिक्षण दुर्ग जिले के ग्राम अंजोरा में मानव अधिकार दिवस के अवसर पर दिनांक 10.12.2017 को आहुत किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता प्रदान की ।

जिला खनिज न्यास –

शासन द्वारा खनिज क्षेत्रों में समुचित विकास हेतु जिला स्तर पर खनिज न्यास स्थापित किया गया है जिसके माध्यम से खनिज क्षेत्रों मे विभिन्न विकास कार्यक्रमों के लिए संसाधन उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना की जानकारी संस्था के स्वयंसेवकों को प्रदान करने के लिए ग्राम नगपुरा में दिनांक 30.01.2018 को आहुत किया गया जिसमें संस्था के 50 स्वयंसेवक शामिल होकर जिला खनिज न्यास की विस्तृत जानकारी प्राप्त किये।

सामाजिक वानिकी –

हरित क्रांति बढ़ाने के लिए सामान्य एवं वन क्षेत्रों में वन विभाग के सहयोग से सामाजिक वनिकरण संचालित है। उक्त योजना के प्रचार प्रसार एवं उनके प्रोत्साहन हेतु स्वयंसेवकों के क्षमता वृद्धि हेतु जिला बालोद के आदिवासी विकास खण्ड डौंडी में एक दिवसीय सामाजिक वानिकी कार्यकर्ता प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 20.03.2018 किया गया जिसमें विकासखण्ड डौंडी के 50 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

आई.जी.पी. कार्यक्रम

स्वयं सेवक प्रशिक्षण – आम जनता के बेहतरी के लिए शासन द्वारा चलाए गये जन कल्याणकारी कार्यो में लोगों के भागीदारी बढने में स्वयंसेवकों की प्रभावी भूमिका है। इस हेतु संस्था द्वारा स्वयं सेवकों में क्षमता वृद्धि हेतु दो दिवसीय स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था मुख्यालय में 20 व 21 अप्रेल को आयोजित किया गया जिसमें 50 स्वयं सेवकों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार एवं श्रीमति जागृति साहू ने प्रशिक्षण प्रदान किया ।

आजीविका प्रशिक्षण – स्वालंबन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के सकिल डेवलपमेंट, आजीविका वर्धन कार्यक्रम को संस्था द्वारा प्रमुख रूप से फोकस किया गया है । वर्ष 2017–18 में संस्था द्वारा क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के दक्षता निर्माण के लिए दो दिवसीय विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 20 व 21 जून 2017 तथा ग्राम मतवारी दुर्ग में किया गया। जिससे स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं में दक्षता का निर्माण हुआ है। संस्था के कार्यक्षेत्र में जो लोग गरीबी रेखा में जीवन यापन कर रहे हैं ऐसे लोगों को संस्था द्वारा चिन्हांकित कर क्लस्टर बनाकर आजीविकावर्धन कार्यक्रमों का संचालन किया गया है। जिससे संस्था द्वारा 50 लाभांवित वर्ग समूह रोजगार मूल कार्यो में संलग्न हुआ है। संस्था के प्रशिक्षक श्रीमती जागृति साहू, चंदन साहू एवं ज्योति साहू के संयोजन में संस्था हितग्राहियों के आजीविका वृद्धि के क्षेत्र में सक्रिय कार्य कर रहे है ।

दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण – कार्यकर्ताओं में अभिलेख एवं दस्तावेजों की समझ बढ़ाने संस्था द्वारा दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था मुख्यालय दुर्ग में 26.07.2017 को आयोजन किया गया जिसमें संस्था के प्रशिक्षक श्री टिकेश्वरी लाल देशमुख एवं श्रीमति गायत्री साहू ने 50 कार्यकर्ताओं को संस्थागत दस्तावेजीकरण पर प्रशिक्षण प्रदान किये ।

स्वसहायता समूहों का प्रशिक्षण – संस्था की मुख्य प्राथमिकता ग्रामीण विकास है क्यों कि बिना ग्राम विकास के ग्रामीण समुदाय का विकास नहीं किया जा सकता और बिना ग्राम विकास के जिला, राज्य व शहर का विकास संभव नही

है। संस्था के इस विजन मिशन को साकार करने के लिए संस्था को लगभग 700 स्वयं सहायता समूहों का समर्थन एवं सहयोग प्राप्त है। संस्था विगत 16 वर्षो से स्वसहायता समूहों के गठन एवं क्षमतावर्धन पर कार्य कर रही है। वर्ष 2017–18 में संस्था द्वारा 200 स्वसहायता समूहों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में उन्हें विशेषकर समूहों के दस्तावेज अभिलेख, लेखा व बचत पंजी स्वलंबन हेतु रोजगार सृजन हेतु जानकारी आदि विषयों पर मतवारी दुर्ग में दिनांक 12.08.2017 को प्रशिक्षक श्रीमती जागृति साहू, चंदन साहू द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें 50 समूहों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए ।

ग्रामीण सहभागी आकलन (पी.आर.ए.) प्रशिक्षण :– ग्रामीण विकास के कार्य नियोजन हेतु ग्रामीण सहभागी आकलन विषय पर सामाजिक क्षेत्र में भागीदारी प्रदान करने हेतु समाज कल्याण महाविद्यालय के प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थीयों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा अथर्व समाज कल्याण महाविद्यालय धनोरा दुर्ग में दिनांक 25.09.2017 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें पी.आर.ए. की पृष्ठ भूमि इतिहास, सामाजिक मानचित्रण, संसाधन मानचित्रण, समस्या चित्रण, आर्थिक वर्गीकरण, चपाती चित्रण आदि सभी 11 विधियों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें महाविद्यालय के 50 प्रतिभागी शामिल हुए।

मोमबत्ती निर्माण प्रशिक्षण – संस्था द्वारा स्वावलंबन एवं समूहों के सशक्तिकरण हेतु ग्राम रिसामा में दिनांक 23.10.2017 को मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के समूहों के 50 प्रतिभागी शामिल हुए । संस्था के प्रशिक्षक श्रीमती चम्पा सानकर एवं ज्योति साहू ने मोमबत्ती निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्रदान किये ।

बड़ी, पापड़, अचार निर्माण प्रशिक्षण – संस्था द्वारा स्वावलंबन एवं समूहों के सशक्तिकरण हेतु ग्राम तिरगा दुर्ग में दिनांक 18.11.2017 को बड़ी, पापड़, अचार निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के समूहों के 50 प्रतिभागी शामिल हुए । संस्था के प्रशिक्षक श्रीमती लता ऊमरे एवं ममता नाग ने बड़ी, पापड़, अचार निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्रदान किये।

सेनेटरी नेपकिन प्रशिक्षण – संस्था द्वारा स्वावलंबन एवं समूहों के सशक्तिकरण हेतु संस्था कार्यालय दुर्ग में दिनांक 18.12.2017 को सेनेटरी नेपकिन निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के समूहों के 50 प्रतिभागी शामिल हुए। संस्था के प्रशिक्षक श्रीमती जागृति साहू एवं ममता नाग ने सेनेटरी नेपकिन निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्रदान किये ।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण – जनकल्याण हेतु शासन द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं के प्रचार प्रसार एवं बेहतर क्रियानवयन हेतु संबंधित संस्थाओं, निकायों को प्रशिक्षित कार्यकर्ता की आवश्यकता होती है जो क्षेत्र में हित ग्राहियों को प्रेरित कर उनकी सक्रिय भागीदारी योजनाओं में सुनिश्चित कराई जा सके । इस हेतु संस्था द्वारा प्रशिक्षकों का केडर तैयार करने के उद्येश्य से वर्ष 2017–18 में दो प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्था कार्यालय दुर्ग में दिनांक 24.01.2018 एवं 12.02.2018 को आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न संस्थाओं के 100 प्रतिभागियों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार सिन्हा श्री टिकेश्वरी लाल देशमुख, श्री नेतराम देशमुख, ममता नाग, जागृति साहू, ज्योति साहू, द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

विकास केन्द्रों का संचालन

नशामुक्ति परामर्श शिविर – संस्था अपने स्थापना से ही समाज कल्याण कार्यो को विशेष रूप से करती रही है। इस हेतु संस्था समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त है संस्था वर्ष 2017–18 में जिला दुर्ग में नशा मुक्ति परामर्श शिविर का आयोजन समय समय पर की है जिसमें नशे से ग्रसित युवाओं को नशा छोड़ने हेतु प्रेरित किया गया ।

बहु–सेवा केन्द्रों का संचालन – संस्था द्वारा शासन के मंशानुसार वरिष्ठ नागरिकों की देख भाल हेतु जन सहयोग से बहु सेवा केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है जो जिला दुर्ग में गंजपारा दुर्ग, ग्राम–पाउवारा, जिला बालोद में कांदुल एवं डौंडी, जिला राजनांदगांव के आदिवासी विकास खण्ड अम्बागढ़ चौकी तथा कबीर धाम जिले के विकास खण्ड बोड़ला में संचालित है ।

ग्रामीण सूचना प्रोद्योगकी युवा विकास केन्द्र – नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग के सहयोग से संस्था द्वारा वि.खं. दुर्ग में युवाओं के लिए सूचना केन्द्र के रूप में विगत 11 वर्षो से ग्रामीण सूचना प्रोद्योगकी युवा विकास केन्द्र ग्राम थनौद में संचालित है जिसमें क्षेत्र के 500 से अधिक युवा मंडल, समूहों एवं सामाजिक कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं ।

विवेकानंद पुस्तकालय : – संस्था द्वारा प्रशासनिक कार्यालय गंजपारा दुर्ग के स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय जन सहयोग से संचालित है। जिसमें ग्रामीण विकास एवं समाज कल्याण से जुडे 200 से अधिक महत्वपूर्ण पुस्तकें संग्रहित है जिसका लाभ संस्था द्वारा आम जनता को दी जा रही है ।

शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन

संस्था के मुख्य उद्देश्य शिक्षा के लोक व्यापीय करण हेतु कार्य करना तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा तक साधनविहीन जरूरतमंद शिक्षार्थियों की पहुंच बनाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु संस्था वर्ष 2006 से स्व.ओम बाई की स्मृति में पब्लिक स्कूल का संचालन प्रारंभ किया है। वर्तमान में जिला दुर्ग में ओम पब्लिक स्कूल गंजपारा दुर्ग एवं ग्राम पाउवारा में संचालित है। जिला बालोद के वि.खं. गुण्डरदेही के ग्राम कान्दुल में ओम पब्लिक स्कूल विगत 10 वर्षो से सफलता पूर्वक संचालित है। जिसमें वर्तमान में 500 से अधिक गरीब एवं जरूरत मंद बच्चों को बुनियादी शिक्षा के साथ ही नैतिक शिक्षा एवं स्वावलंबन शिक्षा प्रदान की जा रही है । साथ ही संस्था से जुड़े 30 से अधिक उच्च शिक्षित युवा राष्ट्र निर्माण की दिशा में विद्यार्थी मार्गदर्शन कार्य से जुड़े हुए हैं ।

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)